इंसाफ का दर है तेरा भजन लिरिक्स

इंसाफ का दर है तेरा,
यही सोच के आता हूँ,
हर बार तेरे दर से,
खाली ही जाता हूँ,
इंसाफ का दर हैं तेरा,
यही सोच के आता हूँ।bd।

तर्ज – होंठों से छू लो।

आवाज लगाता हूँ,
क्यूँ जवाब नहीं मिलता,
दानी हो सबसे बड़े,
मुझको तो नहीं लगता,
शायद किस्मत में नहीं,
दिल को समझाता हूँ,
इंसाफ का दर हैं तेरा,
यही सोच के आता हूँ।bd।

जज्बात दिलों के प्रभु,
धीरे से सुनाता हूँ,
देखे ना कहीं कोई,
हालात छुपाता हूँ,
सब हँसते है मुझ पर,
मैं आंसू बहाता हूँ,
इंसाफ का दर हैं तेरा,
यही सोच के आता हूँ।bd।

दीनों को सताने का,
अंदाज पुराना है,
देरी से आने का,
बस एक बहाना है,
खाली जाने से प्रभु,
दिल में शर्माता हूँ,
इंसाफ का दर हैं तेरा,
यही सोच के आता हूँ।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हैरान हूँ प्रभु तुमने,
दुखियों को लौटाया है,
फिर किसके लिए तुमने,
दरबार लगाया है,
'बनवारी' महिमा तेरी,
कुछ समझ ना पाता हूँ,
इंसाफ का दर हैं तेरा,
यही सोच के आता हूँ।bd।

इंसाफ का दर है तेरा,
यही सोच के आता हूँ,
हर बार तेरे दर से,
खाली ही जाता हूँ,
इंसाफ का दर हैं तेरा,
यही सोच के आता हूँ।bd।

गायक – संजू जी शर्मा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com